ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-02-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-02-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-02-11	2026-02-12	2026-02-13	2026-02-14	2026-02-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	15.0	15.0	16.0	16.0	16.0
न्यूनतम तापमान(से.)	6.0	6.0	7.0	7.0	7.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	69	67	71	70	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	29	27	29	33	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	8	8	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	310	290	310	320	300
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	0	0	1	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आगामी सप्ताह में बारिश की कोई संभावना नहीं है और न ही कोई चेतावनी जारी की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 15 से 16 डिग्री सेल्सियस और 6 से 7 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हवा उत्तर-पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-पश्चिम दिशा से 7-8 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। आगामी सप्ताह के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई महत्वपूर्ण चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

मौसम संबंधी कोई चेतावनी नहीं दी गयी है तो खेती पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान "मौसम ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट किया जाता है और मौसम संबंधी कृषि-मौसम सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी ऐप" उपलब्ध है। मौसम, मेघदूत और दामिनी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किए जा सकते हैं। 13 से 19 फरवरी तक के विस्तारित पूर्वानुमान में कम वर्षा और सामान्य अधिकतम और न्यूनतम तापमान का संकेत मिलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, कोई महत्वपूर्ण चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और किसी भी प्रकार के रासायनिक प्रयोग आगामी सप्ताह में किए जा सकते हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। यदि पौधों में सड़न हो जाए तो फफूंदनाशक जैसे कार्बेंडाज़िम 50% डब्ल्यूपी का प्रयोग करें, जिसकी मात्रा 2-3 ग्राम/लीटर होगी। मिट्टी में घोल डालने के लिए कार्बेंडाज़िम का प्रयोग किया जा सकता है।
रेपसीड	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और निराई-गुड़ाई का कार्य जारी रखना चाहिए। फूल आने और फली बनने की अवस्था में आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। रोग नियंत्रण के उपाय किए जाने चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट की स्थिति में, मैनकोज़ेब 75% का छिड़काव 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए, जबकि रतुआ रोग की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लू एस /रिडोमिल एम्ज़ 72 का छिड़काव 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए।
सरसों	फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और निराई-गुड़ाई का कार्य जारी रखना चाहिए। फूल आने और फली बनने की अवस्था में आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए। रोग नियंत्रण के उपाय किए जाने चाहिए। अल्टरनेरिया ब्लाइट की स्थिति में, मैनकोज़ेब 75% का छिड़काव 2 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए, जबकि रतुआ रोग की स्थिति में, मेटालेक्सिल 35 डब्लू एस /रिडोमिल एम्ज़ 72 का छिड़काव 2.5 कि.ग्रा./हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार करना चाहिए।
गेहूँ	खरपतवार और रोगों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण उपाय किए जाने चाहिए। फसल की सिंचाई करें और यूरिया का प्रयोग करें।
जौ	खरपतवार और रोगों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण उपाय किए जाने चाहिए। फसल की सिंचाई करें और यूरिया का प्रयोग करें।
गन्ना	फसल की कटाई 16-18% ब्रिक्स मान पर की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	बीजों की बुवाई तैयार की गई नर्सरियों में की जानी चाहिए और पौधों की सुरक्षा के लिए जालों या प्लास्टिक के कवर जैसे सुरक्षात्मक संरचनाओं का उपयोग किया जाना चाहिए।
सब्जी पीईए	नियमित निगरानी की जानी चाहिए और निराई-गुड़ाई का काम जारी रखना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करें।
पालक	सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवारों के फैलाव की निगरानी की जानी चाहिए।
सेब	सेब और बीज वाले फलों में फल सड़न रोग को नियंत्रित करने के लिए, तने के आसपास की मिट्टी को हटा देना चाहिए ताकि सूर्य की किरणें सीधे प्रभावित पेड़ के तने में प्रवेश कर सकें। प्रभावित छाल को हटा देना चाहिए और चौबटिए पेस्ट को मिट्टी के साथ लगाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को सर्दी-जुकाम से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी दें। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए टीकाकरण करवाएँ। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि करें।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को सर्दी-जुकाम से बचाने के लिए, उनके भोजन में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ाएँ। पशुओं को अजवाइन और गुड़ भी दें। पशुओं को शीतला रोग से बचाने के लिए टीकाकरण करवाएँ। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि करें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	पशुचिकित्सक के निर्देशानुसार, उनके आहार में कवक की वृद्धि के कारण होने वाले एफ्लाटॉक्सियोसिस के लिए दवा दी जानी चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई संभावित प्रभाव नहीं।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

प्रभाव आधारित कोई परामर्श नहीं।

Farmers are advised to download Unified ﷿Mausam﷿ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details